लकार

लकार :- संस्कृत भाषा में काल एवं अवस्था को लकार कहा जाता है। संस्कृत में दस लकार हैं, किन्तु मुख्य लकार पाँच हैं।

लकार के भेद

1. लट् लकार (वर्तमान काल) के अर्थ में।
2. लृट् लकार (भविष्यत काल) के अर्थ में।
3. लङ् लकार (भूतकाल) के अर्थ में।
4. लोट् लकार (आज्ञा, आदेश) के अर्थ में।
5. विधिलिङ् लकार (विधि, प्रार्थना, संभावना) के अर्थ में

यथा - पठति - पढ़ता है।
पठिष्यति - पढ़ेगा।
अपठत् - पढ़ा।
पठतु - पढ़ो।
पठेत् - पढ़ना चाहिए।